Topic :-

फ्रांस के महान विचारक अगस्त कॉम्ट को आधुनिक समाजशास्त्र का जनक (father of sociology) माना जाता है। कॉम्ट ही वह पहले विचारक थे जिन्होंने सामाजिक चिन्तन को वैज्ञानिक रूप देकर समाजशास्त्रीय चिन्तन की एक नयी परम्परा का आरम्भ किया। उन्होंने सर्वप्रथम एक ऐसे सामाजिक विज्ञान की कल्पना की जो दूसरे सामाजिक विज्ञानों से पृथक और स्वतंत्र रहकर सामाजिक व्यवस्था और सामाजिक प्रगति का अध्ययन कर सके। आरम्भ में कॉम्ट ने ऐसे विज्ञान का Social Physics का नाम दिया लेकिन बाद में सन 1838 में उन्होंने इसी को Sociology के नाम से सम्बोधित किया। इस विज्ञान की विषय सामग्री को स्पष्ट करते हुए कॉम्ट ने लिखा कि "समाजशास्त्र का अध्ययन क्षेत्र विभिन्न सामाजिक विज्ञानों में पायी जाने वाली एकता तथा सामाजिक व्यवस्थाओं को ज्ञात करना है जिससे सामाजिक जीवन को संगठित बनाया जा सके।" इसी कारण उन्होंने समाज की रचना में व्यक्ति, परिवार तथा राज्य आदि सभी को महत्वपूर्ण स्थान दिया।

कॉम्ट के विचारों को प्रभावित करने में सन 1789 में होने वाली फ्रांस की क्रांति का स्पष्ट योगदान रहा है। फ्रांस की क्रांति के फलस्वरूप यूरोप में एक लम्बे समय से चली आ रही सामंतवादी व्यवस्था समाप्त हो गयी। इस समय

Scanned with CamScanner

कैथोलिक चर्च के पादरियों की अलौकिक सत्ता समाप्त होने लगी। कुलीन वर्ग के पास कोई विशेष अधिकार नहीं रह तथा जनसाधारण की शक्ति बढ़ने लगी। इसी काल में सन 1770 से लेकर 1830 के बीच इंग्लैण्ड के औद्योगिक क्रांति की दौर वाला प्राचीन यूरोप के अनेक ऐसे दशाओं में नयी दशाऐं पैदा करके बौद्धिक वर्ग के चिंतन को नयी दिशा देना आरम्भ कर दिया। इस समय जहाँ एक ओर मशीनों द्वारा बड़ी मात्रा के उत्पादन में तेजी से वृद्धि हुई, वहीं दूसरी ओर, परम्परागत कुटीर उद्योगों का तेजी से पतन होने लगा, नगरों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई, नगरीय जनसंख्या में तेजी से वृद्धि होने लगी तथा सामाजिक जीवन के सभी पक्षों में परिवर्तन स्पष्ट होने लगा। औद्योगीकरण के प्रभाव से पुरानी वर्ग व्यवस्था के स्थान पर एक नयी वर्ग व्यवस्था का उदय हुआ। इसके ~~फलस्वरूप~~ फलस्वरूप समाज पूँजीपति, मध्यम तथा ~~तथा~~ ~~का~~ मजदूर, जैसे तीन मुख्य ~~का~~ वर्गों के ~~विभिन्न~~ विभाजित हो गया।

औद्योगीकरण ~~के~~ फ्रांस की क्रांति और औद्योगिक क्रांति के प्रभाव से जब आर्थिक सामाजिक तथा राजनैतिक व्यवस्था में परिवर्तन होने लगा, तब समाज में अनेक ऐसी नयी समस्याऐं उत्पन्न होने लगी जिनका निराकरण केवल वैज्ञानिक चिंतन के द्वारा ही किया जा सकता था। इन्हीं दशाओं के बीच आगस्ट काम्ट ने यह सोचना आरम्भ कर दिया कि समाजशास्त्र के रूप में एक ऐसे विज्ञान को विकसित करना आवश्यक है जिसके सामाजिक व्यवस्था तथा सामाजिक प्रगति का अध्ययन किया जा सके।